



REET 2025 LEVEL-1&2



वंदन बैच

संस्कृत

हल् संधि



LIVE

10-01-2025 03:00 PM



REET 2025 L

TIME TABLE



REET 2025

LEVEL-1 & 2



वंदन बैच



MATHS
L-1 07 AM



GEOGRAPHY
L-2 10 AM



हिंदी
L-1&2 11 AM



CDP
L-1&2 02 PM



ENGLISH
L-1&2 03 PM



संस्कृत
L-1&2 03 PM



EVS
L-1 04 PM



PHYSICS
L-2 04 PM



MATHS
L-2 05 PM



POLITY
L-2 07 PM



CHEM+ BIO
L-2 07 PM



HISTORY
L-2 08 PM

Registration Starts from

23rd DEC

Classes Start from

26th DEC

JOIN US ON



DOWNLOAD THE
RWA APP NOW



Google Play



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

व्यञ्जन या हल् सन्धि

व्यञ्जन के बाद स्वर या व्यञ्जन (व्यञ्जन स्वर, व्यञ्जन व्यञ्जन) आने पर जो विकार होता है, उसे व्यञ्जन सन्धि कहते हैं। इसमें जमा (+) चिह्न से पहले हलन्त व्यञ्जन आता है। जैसे सत् चित् सच्चित्, जगत् ईश्वरः जगदीश्वरः। यहाँ पहले उदाहरण में 'तू' के बाद व्यञ्जन और दूसरे उदाहरण में व्यञ्जन के बाद स्वर आया है।

सत् + चित् = सच्चित् व्यञ्जन + स्वर / व्यञ्जन सन्धि
जगत् + ईश्वरः = जगदीश्वरः



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

1. श्रुत्व सन्धि

सूत्र-स्तोः श्रुनाश्रुः

नियम-सकार या तवर्ग (त, थ, द, ध, न) के पहले या बाद में शकार या चवर्ग (च, छ, ज, झ, ञ) का योग होने पर 'स' को 'श' तथा तवर्ग को चवर्ग हो जाता है।

अत्र

उदाहरण- सत् + चित् = सच्चित्

रामस् + शेते = रामश्शेते

कस् + चित् = कश्चित्

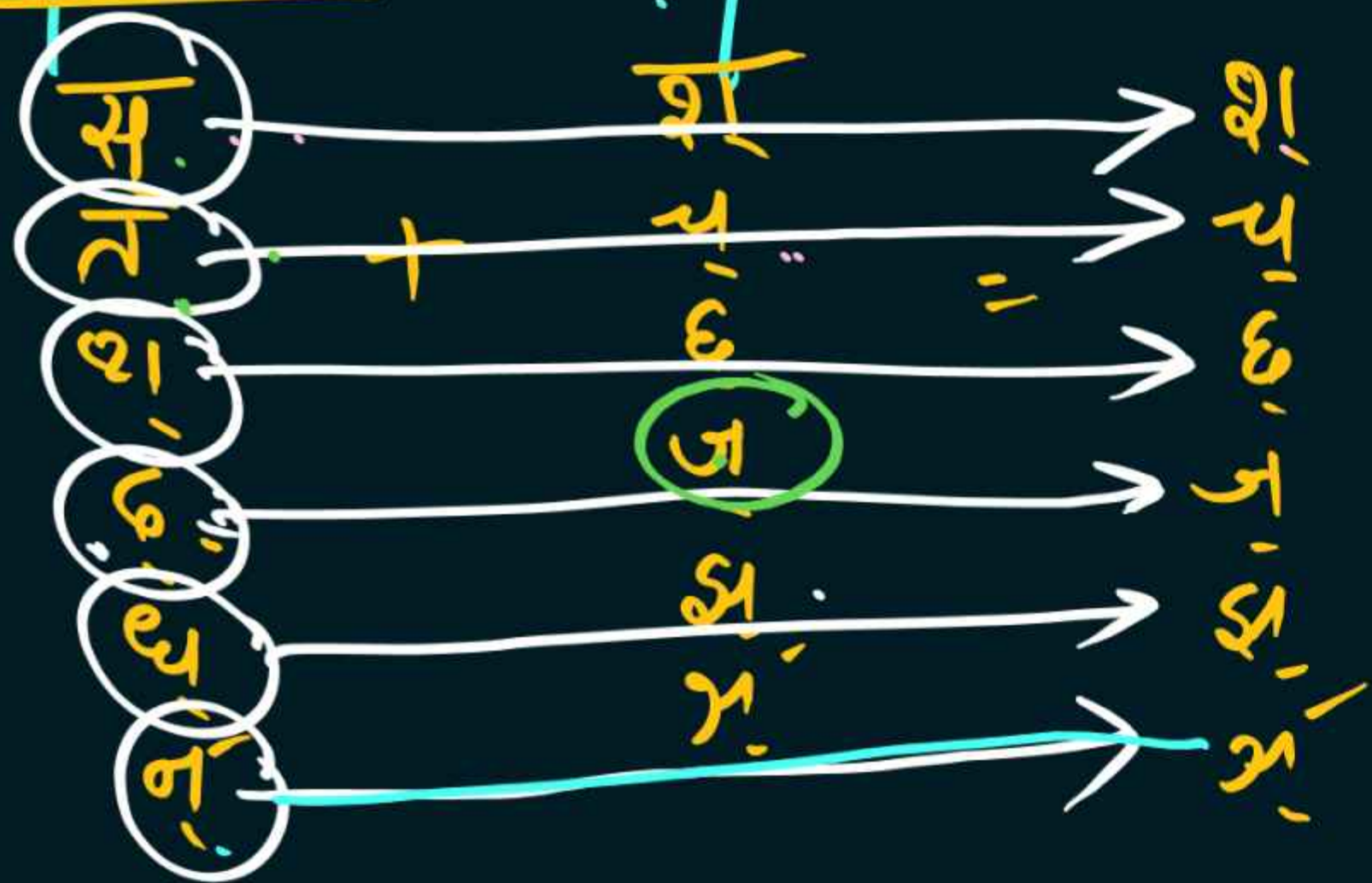
सद् + जनः = सज्जनः

शार्ङ्गिन् + जयः = शार्ङ्गिज्जयः

बृहद् + झरः = बृहज्झरः

उत् + पारणम् = उत्पारणम्

सं / तवर्ग + वं / चवर्ग = शं / चवर्ग



वेतोः श्चुना श्चुः

चवर्ग

सत् + परिव्रज = सचपरिव्रज

वामम् + चिन्ता = वामश्चिन्ता

वामम् + शोते = वामश्शोते

सत् + ज्ञानः = सज्ज्ञान

सत् + ज्ञानः

ज्ञात + ज्ञानी = ज्ञातज्ञानी

सत् + ज्ञानी



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

2. ष्ट्व सन्धि

बहुना सुः

सूत्र - ष्टुनाष्टुः

नियम - सकार या तवर्ग के पहले या बाद में पकार या टवर्ग (ट, ठ, ड, ढ, ण) का योग होने पर स् को ष् तथा तवर्ग को टवर्ग हो जाता है।

रामस् + टीकते = राम^{स्}टीक^{ते} / तवर्ग + ष् / टवर्ग = ष् / टवर्ग

तत् + टीका = तट्टीका

रामस् + पशुः = राम^{स्}पशुः

चक्रिन् + ढौकसे =

चक्रि^{न्}ढौक^{से}

स
स
स
स
स

→
→
→
→
→

स
स
स
स
स



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

उदाहरण - तत् + टीका = तट्टीका

रामस् + षष्ठः = रामष्यष्ठः

उद् + डयनम् = उड्डयनम्

कृष् + नः = कृष्णः

दुष् + तः = दुष्टः

चक्रिन् + ढौकसे = चक्रिणढौकसे



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

3. जश्त्व सन्धि

यह सन्धि दो प्रकार की होती है (क) पदान्त जश्त्व सन्धि, (ख) अपदान्त जश्त्व सन्धि।

(क) पदान्त जश्त्व सन्धि

सूत्र - झलां जशोऽन्ते

नियम - यदि पदान्त में झलों (वर्ग के पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ण) के बाद कोई भी स्वर तथा वर्ग के तीसरे, चौथे और पाँचवें वर्ग या य, र, ल, व में से कोई वर्ण आये तो पहले वाले वर्ण के स्थान में उसी वर्ग का तीसरा वर्ग जश् हो जाता है।

अम्

= जश्

(1, 2, 3, 4)

क, ख, ग, घ, ङ
च, छ, ज, झ, ञ
ट, ठ, ड, ढ, ण
त, थ, द, ध, न

ग
घ
ङ
च
छ
ज
झ
ञ
ट
ठ
ड
ढ
ण
त
थ
द
ध
न

वाक् + ईशः = वागीशः
जगत् + ईश्वरः = जगदीश्वरः
सुप् + अन्तम् = सुवन्तम्
अच् + अन्तः = अजान्त



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वन्दन बैच

उदाहरण अच् अन्तः अजन्तः

वाक् + ईशः = वागीशः

षट् + आननः = षडाननः

दिक् + अम्बरः = दिगम्बरः

सुप् + ईशः = सुवीशः

एतत् + मुरारिः = एतद् मुरारिः

षट् + ङ्यः = षडङ्यः

षट् + ङ्यः = षडङ्यः

वाक् + ईशः = वागीशः
(1,2) (1)

सुप् + ईशः = सुवीशः
(1,2)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

(ख) अपदान्त जश्त्व सन्धि

सूत्र - झलां जश् झशि

झल + झश् = जश्
(1,2)(3)4 + 3,4 = 3

नियम - यदि अपदान्त में झलों (वर्ग के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ण) के बाद कोई झश् (वर्ग का तीसरा, चौथा वर्ण) परे होने पर जश् (अपने वर्ग का तृतीय वर्ण) हो जाता है।

उदाहरण क्रुध् + धः = क्रुद्धः

लभ् + धम् = लब्धम्

दुग्ध् + धः = दुग्धः

शुध् + धः = शुद्धः

युध् + धः = युद्धः

$$\underline{\text{झि}} + \underline{\text{झश}} = \text{जोश}$$

झाभाभ
 4
 3
 2
 1
झि + ऊ =

क	ख	ग	घ	ङ
प	फ	ज	झ	ञ
र	ल	व	श	ष
ड	ढ	ब	भ	म

+

ग घ
 ज झ
 ङ ञ
 ड ढ
 ब भ

=

गा
 जा
 ङा
 डा
 बा

$$\underline{\text{कुह}} + \underline{\text{धम}} = \text{कुधम}$$



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

4. चर्च सन्धि

चर्च

झल् + खर् = पर्

सूत्र - खरि च

नियम - यदि झल् (वर्ग के प्रथम, द्वितीय, तृतीया और चतुर्थ वर्ण) के बाद वर्ग का प्रथम व द्वितीय वर्ण या श, प, स आता है तो उनके स्थान पर चर् (अपने वर्ग का प्रथम वर्ण) हो जाता है।

उदाहरण - सद् + कारः = सत्कारः

तद् + शिवः = तच्छिवः

दिग् + पालः = दिक्पालः

सद् + पात्रम् = सत्पात्रम्

एतद् + करोति = एतत् करोति

सद् + शिष्यः = सत्शिष्यः

लभि + क्येत् = लप्स्येत्

तदु + शिनः = तनु + शिनः

तद्विशिनः = तद्विनः

$$\overline{\text{ઝાલ}} + \overline{\text{ઘર}} = \overline{\text{પર}}$$

$$(1, 2, 3, 4 + 321) + (1, 2) = 4620 \text{ વર્ગ}$$

ક, ૫, ૮, ૧, ૫
 ૫, ૮, ૦, ૬, ૫
 ૫, ૮, ૧, ૫, ૫
 ૫, ૮, ૦, ૬, ૫
 ૫, ૮, ૧, ૫, ૫

+

૫, ૮, ૧, ૫, ૫
 ૫, ૮, ૦, ૬, ૫
 ૫, ૮, ૧, ૫, ૫
 ૫, ૮, ૦, ૬, ૫
 ૫, ૮, ૧, ૫, ૫

||

૫, ૮, ૧, ૫, ૫



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

5. अनुस्वार सन्धि

सत्र - मोऽनुस्वारः

नियम - पदान्त में 'म्' के बाद कोई भी व्यञ्जन आता है, तो 'म्' के स्थान में अनुस्वार (') हो जाता है।

उदाहरण - हरिम् + वन्दे = हरिं

वन्दे त्वम् + करोषि = त्वं करोषि

रामम् + भजामि = रामं भजामि